अपि स्वर्णमयी लङ्का न मे लक्ष्मण रोचते ।
जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी ।।

कम्बोडिया में 12वीं शताब्दी का वाल्मीकि मन्दिर

रामायण विश्व महाकोश

कार्यशाला

दिनांकः 6–7 मार्च, 2021
स्थानः संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
उ0 प्र0 संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर, लखनऊ

आयोजकः अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0 प्र0

रामायण विश्व महाकोश

भारतीय संस्कृति का वैश्विक विस्तार रामायण के मूर्त एवं अमूर्त विरासत के विविध पक्षों–स्थापत्य, मूर्ति, चित्र, संगीत, हस्तशिल्प, साहित्य आदि के साथ परम्पराओं, विश्वासों, मान्यताओं, रामलीलाओं आदि का विस्तार विश्व के लगभग सभी देशों में विद्यमान है। इन सभी मूर्त एवं अमूर्त विरासतों को संकलित करते हुए भारत में राज्यवार तथा विश्व के सभी देशों में रामायण कला, संस्कृति, साहित्य एवं जीवन पद्धति को क्रमबद्ध रूप में संकलित किया जायेगा। रामायण से सम्बंधित सभी जानकारी जो प्रदेश, देश और विश्व के फलक पर उपलब्ध है उसका दस्तावेजीकरण किया जाना प्रस्तावित है। समस्त अभिलेख, दस्तावेज एवं शोध कार्य को 'इनसाइक्लोपीडिया' के रूप में खण्डों में प्रकाशित किया जायेगा।

उद्देश्यः भारतीय संस्कृति को राम के माध्यम से वैश्विक विस्तार को अभिलेखीकृत कर भावी पीढ़ी को वृहद दस्तावेज उपलब्ध कराना तथा भारत की विदेश नीति में 'साफ्टपॉवर डिप्लोमेसी' के रूप में रामायण के सहयोग को प्रमाणिक रूप में प्रस्तुत करते हुए 'रामायण देशों के समूह' (Group of Ramayan Countries) की स्थापना का प्रयास।

कोदंड राम

रामायण
विश्व महाकोश

कार्यशाला

का

उद्घाटन

मुख्य अतिथि

योगी आदित्यनाथ

माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

के कर कमलों द्वारा

विशिष्ट अतिथि

डॉ. नीलकंठ तिवारी

माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन
प्रोटोकॉल एवं धर्मार्थ कार्य विभाग, उ0 प्र0

दिनांकः 6 मार्च, 2021 | समयः अपरान्ह 12:15 बजे

इस अवसर पर आप सादर आमंत्रित हैं।

डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
निदेशक, अयोध्या शोध संस्थान
संस्कृति विभाग, उ0 प्र0

शिशिर आई.ए.एस.
निदेशक
संस्कृति एवं सूचना विभाग, उ0प्र0

एन.जी. रवि कुमार आई.ए.एस.
सचिव, संस्कृति
एवं महानिदेशक, पर्यटन विभाग, उ0प्र0

मुकेश कुमार मेश्राम आई.ए.एस.
प्रमुख सचिव
संस्कृति एवं पर्यटन विभाग, उ0प्र0

रामायण
विश्व महाकोश

सलाहकार मण्डल

प्रो. राणा पी.बी. सिंह
भूगोल विभाग, काशी हिन्दू
विश्वविद्यालय, वाराणसी

प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल
कुलपति, महात्मा गांधी
अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय
वर्धा, महाराष्ट्र

प्रो. राजाराम शुक्ल
कुलपति, सम्पूर्णानन्द
संस्कृत विश्वविद्यालय
वाराणसी

प्रो. श्याम सुन्दर दुबे
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
हटा, दमोह, मध्य प्रदेश

प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित
पूर्व अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

प्रो. मनोज दीक्षित
पूर्व कुलपति., डॉ. राममनोहर
लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

डॉ. व्योमकेश त्रिपाठी
कुलपति उत्कल विश्वविद्यालय
भुवनेश्वर, उड़ीसा

प्रो. (डॉ.) हरमहेन्द्र सिंह बेदी
कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय
हिमाचल प्रदेश

डॉ. जगतपति सरकार
कोलकाता एशियाटिक
सोसाइटी

प्रो. जी.सी. त्रिपाठी
पूर्व कुलपति
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
वाराणसी

पद्मश्री के.के. मुहम्मद
पूर्व क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर)
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

डॉ0 जॉय सेन
एच.ओ.डी. (आर्किटेक्ट)
आई.आई.टी., खड़गपुर

माइकल स्टेमफेल्ड
डेविड लाइन्च फॉउन्डेशन,
यू.एस.ए.

विशेष आभार

विदेश मंत्रालय, भारत सरकार।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।

आयोजकः
अयोध्या शोध संस्थान, संस्कृति विभाग, उ0 प्र0